रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

दो दिवसीय अखिल भारतीय राजशेखर समारोह का द्वितीय दिवस

जबलपुर 13 मार्च। अखिल भारतीय राजशेखर समारोह एवं शोध संगोष्ठी २०२१ के अंतर्गत शोध संगोष्ठी के तृतीय सत्र का आयोजन प्रातः९.३० रा.दु.वि.वि. के विज्ञान भवन में हुआ, जिसमें देश के विभिन्न प्रांतो से आए हुए विद्वानों ने शोध पत्रों का वाचन किया। लगभग २२ शोध पत्रों का वाचन हुआ जिसमें राम कथा परम्परा एवं राजशेखर विषयांतर्गत अनेक पक्षों को उद्घाटित किया गया। महाकवि राजशेखर का आचार्यत्व विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में वाराणसी से पधारे प्रो. प्रभुनाथ द्विवेदी जी विशिष्ट वक्ता थे। उन्होंने यायावरीय राजशेखर के कृतित्त्व को श्रेष्ठ बताते हुए, उनके अनेक शास्त्रीय पक्षों को व्याख्यान के माध्यम से उद्घाटित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बूंदी राजस्थान से पधारे डॉ. पूर्णचंद्र उपाध्याय जी ने की। कार्यक्रम के संयोजक तथा विभागाध्यक्ष प्रो. राधिका प्रसाद मिश्र ने रामकथा को समस्त जनो हेतु शुभकारी एवं अनुकरणीय बताया। कार्यक्रम में कला संकायाध्यक्ष प्रो. धीरेंद्र पाठक, प्रो. रहसबिहारी द्विवेदी, प्रो. इला घोष, प्रो. पुष्पा झा, डॉ. शिवेश द्विवेदी, डॉ. श्रेयस कोरान्ने, डॉ. सुमनलता श्रीवास्तव, डॉ. सरिता यादव, डॉ. जया शुक्ला, विभाग के छात्र–छात्रायें, विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के आचार्य तथा अतिथि व्याख्याता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अखिलेश कुमार मिश्र ने तथा आभार प्रदर्शन डॉ. साधना जनसारी ने किया।